सफलता की कहानी

IWMP-6, वि.ख. – स.लोहारा,

क्र.	विषय	विवरण
01	कार्य क्षेत्र	IWMP-6, वि.ख. – स.लोहारा, विधानसभा – पण्डरिया, जिला–कबीरधाम, ग्राम–कडकडा
	1. मकान संख्या	150
	2. निवासरत जनसंख्या	600
	3. सिंचाई स्रोत की संख्या	तालाब–3, कुंआ–12, नलकूप–20
	4. परंपरागत	कुंआ, तालाब, नदी एवं नालों
	5. सिंचाई के प्राकृतिक स्रोत	कुंआ, तालाब, नदी एवं नालों
02	संबंधित नाले का विवरण	जलसंवर्धन अंतर्गत गांव में नाले की लम्बाई 1500 मीटर कुछ स्थल पर चौडाई 10 मीटर और कुछ स्थल में 20 मीटर है।
	1. संरचना की आवष्यकता क्यों	किसानों के द्वारा नाले पर कच्चा मिट्टी बंड बनाकर पानी के बहाव को रोककर खरीफ की फसल में उपयोग किया जाता था। पानी के बहाव के कारण गांव के कृषकों ने जलग्रहण समिति से आग्रह कर चेकडेम निर्माण कार्य की मांग की गई।
	2. समिति अनुमोदित माह	18.02.2017
	3. ग्राम सभा में अनुमोदित माह	24.01.2017
	4. कार्य प्रारंभ तिथि	27.03.2017 से
	5. कार्य पूर्ण की तिथि	16.04.2017 तक
	6. लागत राषि	4.52 लाख
	7. व्यय राषि	4.49 लाख
	8. कुल मानव दिवस	527
03	Important/Result	ग्राम के कृषकों द्वारा चेकडेम कार्य कराये जाने के लिये ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किया गया एवं जलग्रहण समिति के मासिक बैठक कार्यवाही में अनुमोदन कराया गया।
	1. भू–जल स्तर पर प्रभाव	पूर्व में उस क्षेत्र में नलकूप, कुंआ, ट्यूबवेल से सिंचाई किया जाता था, जिससे भू–जल स्तर में गिरावट आने लगी भू–जल स्तर का प्रतिवर्ष मार्च–अप्रैल माह निम्न स्तर पर चला जाता था। वर्ष 2016–17 में चेकडेम निर्माण पष्चात भू–जल स्तर में वृद्धि होने लगी। ट्यूबवेल नलकूप की जल स्तर में वृद्धि होने लगी।
	2. कृषक कमाण्ड क्षेत्र के कृषकों को लाभ उनके कृषि भूमि एवं उत्पादन फसल सहित	

क्र.	नाम	ग्राम	संख्या	व्यक्तिगत स्तर पर उनके क्या सुधार हुआ
01	चेकडेम क्रमांक 01	कडकडा	6	व्यक्तिगत फसल उत्पादन में वृद्धि हुआ
02	चेकडेम क्रमांक 02	कडकडा	10	व्यक्तिगत फसल उत्पादन में वृद्धि हुआ

	3. कृषि विभाग योजनाओं से अभिसरण की संभावना	कृषि विभाग से शाकम्भरी योजना के तहत चेकडेम निर्माण पष्चात कृषकों द्वारा पम्प क्रय कर खरीफ में सुरक्षात्मक सिंचाई तथा रबी में चना की फसल लेना प्रारंभ किये, जिससे कृषक की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ।
04	Benefits/लाभ	

क्र.	ग्राम	चेकडेम क्रमांक	कृषक का नाम	कमाण्ड क्षेत्र रकबा	फसल उत्पादन चेकडेम पूर्व	चेकडेम पूर्व उत्पादन	फसल उत्पादन चेकडेम पष्चात	चेकडेम पष्चात उत्पादन में वृद्धि	कुल उत्पादन
01	कडकडा	चेकडेम क्र. 01	प्रवीण सिंग बैस, कलेष सिंग, पुरूषोत्तम सिंग	6 हे.	धान,गेहूँ	350 क्विं	धान,सोयाबीन,चना,गेहूँ	400 क्विं	750 क्विं
02		चेकडेम क्र. 02	बलराम सिंग बैस, चोवा सिंग, जिंघन सिंग	4 हे.	धान,गेहूँ	250 क्विं	धान,सोयाबीन,चना,गेहूँ	320 क्विं	570 क्विं

	1. उपयोगकर्ता	पूर्व में क्षेत्र के खरीफ में कृषक धान, सोयाबीन की फसलें ले रहे थे। चेकडेम निर्माण के पष्चात कृषक अपने खेत में खरीफ में धान एवं सोयाबीन के साथ–साथ रबी में चना, गेहूँ अरहर की फसलें भी ले रहे है। पहले बरसात का पानी ढलान होने के कारण नही रूकता था चेकडेम निर्माण पष्चात 1.5 फीट से 2 फीट तक पानी नाले में रहता है।
	पर्यावरण में प्रभाव	चेकडेम निर्माण के पष्चात आस–पास के क्षेत्रों में वानस्पतिक आच्छादन बढा है। पुराने सुखे पेड पौधे भी हरे भरे हो चुके है, जिससे वातावरण में शुद्ध हवा का संचार बढ़ा है।
	आर्थिक स्थिति में सुधार कैसे कारण सहित	पूर्व में क्षेत्र के कृषक धान, सोयाबीन की फसलें ले रहे थे चेकडेम निर्माण के पष्चात कृषक अपने खेत में चना, गेहूँ अरहर की फसलें ले रहे है पहले बरसात का पानी ढलान होने के कारण नही रूकता था चेकडेम निर्माण पष्चात 1.5 फीट से 2 फीट तक पानी नाले में रहता है। चेकडेम निर्माण के 6 माह पष्चात कृषक द्वारा अगस्त माह से सिंचाई प्रारंभ किया। कृषक बलराम सिंग/चोवा सिंग 4 हेक्टेयर कृषि भूमि एवं कमलेष सिंग, जिघन सिंग, पुरूषोत्तम सिंग प्रवीन सिंग 6 हेक्टेयर सिंचाई कार्य किया ।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी
सह परियोजना अधिकारी
IWMP-6 वि.ख.–स.लोहारा

कडकडा

निर्माण कार्य – चेकडेम क्रमांक 01 प्रवीण सिंग के खेत के पास

चकडम निमाण पूव का स्थित म

चेकडेम निमोण पष्चात् की स्थिति में

निर्माण कार्य – चेकडेम क्रमांक 02 बलराम सिंग के खेत के पास

चेकडेम निमोण पूर्व स्थिति में

चेकडेम निमोण पष्चात् स्थिति में

अनुविभागीय कृषि अधिकारी
सह परियोजना अधिकारी
IWMP-6 वि.ख.–स.लोहारा

वर्ष	धान क्विं. में	सोयाबीन क्विं. में	गेहूँ क्विं. में	चना क्विं. में
2015-16	175	127	148	150
2016-17	210	157	176	167
2017-18	218	160	172	170

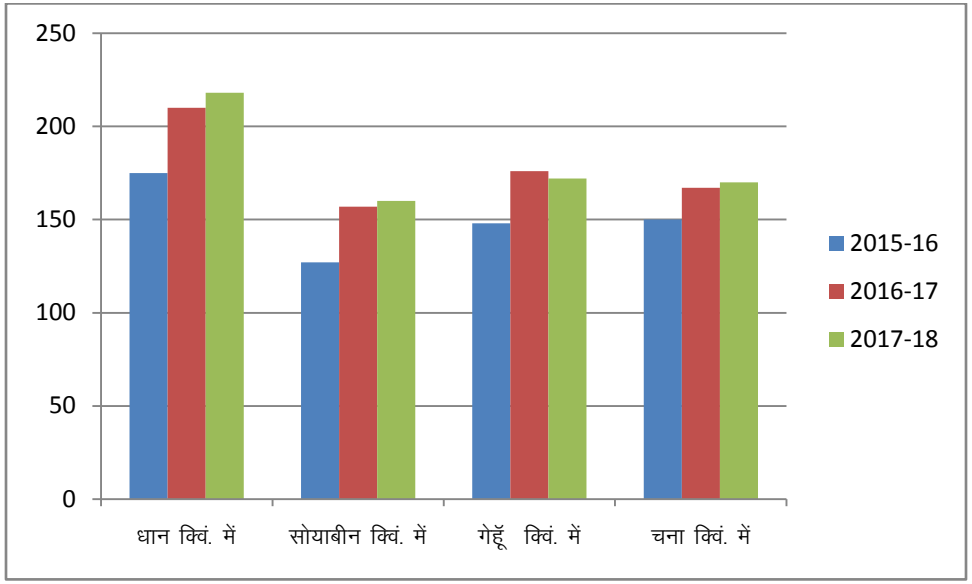

10 हेक्टेयर कृषि भूमि में वर्षवार उत्पादन

अनुविभागीय कृषि अधिकारी
सह परियोजना अधिकारी
IWMP-6 वि.ख.–स.लोहारा